केंद्रीय विद्यालय क्र. 1 ईशापुर

ई – त्रैमासिक समाचार पत्रक

2019 - 2020

तृतीय संस्करण

ऊषा किरण

प्राचार्य की कलम से....

माँ सरस्वती का खजाना वह खजाना जिसको जितना खर्च करते हैं वह उतना ही बढ़ता है तथा इसको जितना छुपा कर रखते हैं, वह उतना ही कम होता जाता है। जैसा कि हम जानते हैं, " ज्ञान मनुष्य की वह जमा पूंजी है जिसको कभी भी किसी के द्वारा छीना नहीं जा सकता है "। प्राचीन काल से ही शिक्षा का बहुत महत्त्व रहा है ।सभ्यता, संस्कृति और शिक्षा का उदय भारत में ही हुआ था ।प्राचीन काल में शिक्षा गुरुकुल में होती थी, इन गुरुकुलों में विद्यार्थी अपने गुरु के चरणों में बैठकर ही पूरी शिक्षा प्राप्त करते थे ।वर्तमान समय में विद्या ग्रहण करने का मुख्य केंद्र विद्यालय हैं जहां पर छात्र विद्या ग्रहण करता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अन्तर्गत लगभग 1000 से ज्यादा विद्यालयों का निर्माण भारत सरकार द्वारा किया जा चुका है, जो भारत के निर्माण में प्रमुख रूप से भागीदारी निभा रहा है। विद्यालय ही वह जगह है जहाँ एक बच्चा शिक्षा ग्रहण करकेअपने जीवन के उत्तम शिखर पर पहुँचता है ।विद्यालय और शिक्षा का हर बच्चे के जीवन में बहुत योगदान होता है। ज्ञान, जो कि व्यक्ति को सर्वोपरि बनाता है,जिसके कारण मनुष्य सभी जीवों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और ज्ञान के बिना मनुष्य एक जानवर की तरह ही रह जाता है इसलिए ज्ञान की दिव्यज्योति सदा जलाए रखनी चाहिए।

बी.बी. महतो

प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 ईशापुर

प्रधानाध्यापक कीकलमसे....

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1के सत्र 2019 - 2020के प्राथमिक खंड से ई-समाचार पत्रक के तृतीय संस्करणदुसरीतिमाही को प्रकाशित करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। यह छात्रों के आनंदपूर्ण शिक्षण गतिविधियों और उपलब्धियों का प्रतिबिंब है जो बच्चों के समग्र विकास के लिए विद्यालयी और गैर विद्यालयी दोनों क्षेत्रों का प्रभावी कार्यान्वयन है। यह विभिन्न तरीकों से उनकी आंतरिक और छिपी प्रतिभाओं का पता लगाने के लिए एक मजबूत आधार और मंच प्रदान करता है।

इस ई - समाचार पत्रक को सफल बनाने में मदद करने के लिए विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए मेरे स्नेही और प्यारे छात्रों को मेरी ओर से हार्दिकशुभकामनाएं।

आशा है कि आप सभी इसका आनंद लेंगे।

श्री बी. बनिक

प्रधानाध्यापक

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 ईशापुर

दिन का शुभ आरंभ प्रातः कालीन सभा में योग – व्ययाम से

“योग मन के भ्रमो की समाप्ति है”।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

सह पाठ्यक्रम निवेशक गतिविधि

वर्तनी जाँच

नाट्य प्रतियोगीता

कविता पाठ प्रतियोगिता

आनंद वार

अभिनय   मिट्टीप्रतिरुपण

योगा   चित्रकारी

आनंदवार – एक ऐसादिन जहां बच्चे खेल और आनंद के रूप मे ज्ञान प्राप्त करते है। प्रत्येक हफ्ते का शनिवार आनंद वार होता है।

73rd स्वतंत्रता दिवस

स्वच्छता पखवाड़ा

150 वीं गांधी जयंती

फ़ैन्सी ड्रेस

स्वच्छता अभियान

विद्यालय में अन्य गतिविधियाँ

परिचय पाठ्यक्रम

हिन्दी पखवाड़ा में काव्य पाठ

नेत्र जाँच

पुस्तकमेला

पठन कार्य

कब – बुलबुल के गतिविधियाँ

प्रार्थना का अर्थ है ईश्वर के साथ संचार। प्रार्थना हमें ईश्वर पर निर्भरता में ले जाएगी। बहुस्तरीय प्रार्थना अंतरजातीय एकता की ओर आकांक्षा का प्रतीक और वास्तविक करने का प्रयास है।

बाला प्रोजेक्ट

बाला योजना बाल विकास का एक नवीन अवधारणा है जिसके माध्यम से स्कूली बुनियादी ढांचे में बाल-अनुकूल, सीखने और मजेदार आधारित भौतिक पर्यावरण निर्माण के माध्यम से, शिक्षा में गुणात्मक सुधार की दिशा में एक अभिनव अवधारणा है।

हमारा विद्यालय